सौर्य ऊर्जा से मिला गॉव को पीने का पानी

आगरा जनपद की भू जल स्थिति कुछ ऐसी है कि अधिकॉश स्थानों पर भूजल खारा है एवं पीने योग्य नहीं है। अधिकांश हैण्डपम्प खारा पानी देते हैं। इस प्रकार हैण्डपम्प लगे हाने के बावजूद भी ग्रामवासी दूर–दूर से पीने योग्य पानी लाने के लिए मजबूर होते हैं। कुछ ग्रामों में तो स्थिति और भी विकट है। आबादी क्षेत्र में तो अधिकांशतः खारा पानी मिलता है। आबादी के दूर –दराज क्षेत्र में किसी–किसी खेत में मीठा पानी मिलता है। ऐसा ही एक गॉव है विकासखण्ड अछनेरा में सींगना। ग्रामवासी गॉव में मीठा पानी उपलब्ध न होने के कारण पीने का पानी कई–कई किलोमीटर दूर से लाने के लिए बाध्य होते थे। पुराने इतिहास से मालूम हुआ है कि ग्राम से लगभग 1 किमी0 दूर ग्राम समाज के चक में मीठा पानी उपलब्ध है। वहॉं बोरिग करके पाइप के माध्यम से पानी गॉव में

सींगना में स्थापित सोलर पम्प

पहुँचाया जा सकता था परन्तु उसके आस–पास कहीं भी विद्युत लाइन नहीं थी जिससे पम्प चलाया जा सके। ऐसी दशा में नेडा विभाग ने एक रास्ता दिखाया। विभाग ने कहा कि यदि गॉव तक पाईप लाइन डलवा दी जाय तो विभाग सोलर पम्प के माध्यम से पानी की व्यवस्था कर सकता है। ग्राम प्रधान ने भी इस कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करने हेतु पाइप लाईन डलवाने का आ वासन दिया। उपलब्ध

भू–खण्ड पर विभाग द्वारा 90 फीट गहराई तक 4 इंच की बोरिंग करवाकर 0.75 हार्स पावर का सम्बर्सेबिल सोलर पम्प स्थापित किया गया। ऊर्जा के लिए पास में ही सोलर पैनल स्थापित किये गये। पानी को एकत्रित करने के लिए 10000 लीटर की एक टंकी भी समीप में ही स्थापित की गई हैं। सोलर पम्प से प्रतिदिन औसतन 50,000 लीटर पानी उपलब्ध होता है। टंकी भरने के उपरान्त भोश पानी सीधे पाइप लाइन से गॉव में उपलब्ध रहता है। ग्राम के लगभग 100 परिवारों को पीने के योग्य पानी उपलब्ध कराने में विभाग द्वारा मात्र 4.71 लाख रू व्यय किये गये, जिसमें 2.64 लाख रू0 राज्य अनुदान, 0.90 लाख रू0 केन्द्र सरकार का अनुदान तथा भोश धनराशि राज्य योजना से वहन की गई। सोलर पम्प के माध्यम से 50 मीटर गहराई से 30 मी ऊॅचाई तक पानी लिफ्ट किया जा सकता है

ग्राम प्रधान द्वारा लगभग 1.50 किमी लम्बी पाइप लाईन खेत से गॉव तक तथा गॉव के अन्दर डलवाई गई। विभिन्न स्थानों पर स्टेण्ड पोस्ट भी बनवाये गये। सौर्य पम्प स्थापना के बाद थोड़ी राशि व्यय करके ग्रामवासियों को स्वच्छ पेयजल उनके घरों के पास ही उपलब्ध हो रहा है। सभी ग्रामवासी इस योजना से अत्यन्त प्रसन्न है।

पम्प एवं सोलर पैनल सप्लाई करने वाली फर्म के साथ 10 वर्श का अनुरक्षण का अनुबन्ध भी है।

वर्तमान में सोलर पम्प एवं पैनल आदि की लागत 6.45 लाख रू0 हो गई है जिसमें 2.64 लाख रू0 राज्य अनुदान तथा 0.36 लाख रू0 केन्द्र अनुदान उपलब्ध है।

सिंचाई के लिए सोलर पम्प स्थापित करने की भी विभाग की योजना है किन्तु इस हेतु भूजल 30–35 फीट गहराई तक में उपलब्ध होना चाहिये।

(पृष्ठ 3 का शेष)

गेंहूँ प्राप्त करते कलन्दर

स्वरोजगार योजनार्न्तगत 06 व्यक्तियों को बकरी पालन, मुर्गीपालन,खच्चर पालन व कपड़ा फेरी हेतु ऋण उपलब्ध कराने की स्वीकृति प्रदान कर दी गयी ।

भविष्य में यह गॉव भालूओं की जगह बकरी, मुर्गी, खच्चर पालन करके जीविका प्रदान करने के लिए जाना जाएगा।

सम्पादक : अख्तर मसूद, सहायक अभियन्ता, डी.आर.डी.ए., आगरा
मुख्य सम्पादक : आर.पी. सिंह, परियोजना निदेशक, डी.आर.डी.ए., आगरा
सहयोगी : जुगेन्द्र पाठक, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, डी.आर.डी.ए. आगरा
संरक्षक : एस.के. सिंह मुख्य विकास अधिकारी/अधिशासी निदेशक, डी.आर.डी.ए. आगरा
जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, आगरा द्वारा प्रकाशित तथा शुभम मीडिया पब्लिकेशन, एम.जी. रोड, कलैक्ट्रेट, आगरा फोन : 0562–2391515 द्वारा मुद्रित

ग्रामीण भारत से सम्बन्धित सुझाव निम्न पते पर प्रस्तुत कर सकते हैं
परियोजना निदेशक
जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, विकास भवन, संजय प्लेस, आगरा
फोन : 0562-2850094 e-mail : drda_agr@hubnic.in